पहली छमाही में राज्य का निर्यात 43.14% बढ़ा

राज्य मुख्यालय | हेमंत श्रीवास्तव

राज्य के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार और बढ़ती कारोबारी सुविधाओं के चलते प्रदेश का निर्यात कारोबार अब दौड़ पड़ा है। पिछले साल के मुकाबले इस वित्तीय वर्ष सितंबर माह तक के निर्यात में 43.14 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है।

राज्य के परंपरागत और लोकप्रिय उत्पादों की मांग विदेशों में फिर से बढ़ी है। लेदर आइटम, कारपेट, हैंडीक्राफ्ट, रेडिमेड गारमेंट, खेल के सामान के साथ ही खाने-पीने की वस्तुओं के निर्यात में बड़ी उछाल है। ये वह उत्पादन हैं जिनके निर्यात में पिछले साल कोरोना के दौरान कमी दर्ज की गई थी।

ताजे फल व सब्जियों के साथ चमड़ा, कारपेट की मांग बढ़ी

निर्यात आंकड़ों में तेज वृद्धि का कारण फिर से राज्य के लोकप्रिय व परंपरागत निर्यात उत्पादों की मांग विदेशों में बढ़ना है। लेदर आइटम, कारपेट, हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट, रेडिमेड गारमेंट, सिल्क जैसे उत्पादों के निर्यात में तेजी आई है। इसके अलावा गेहूं, फल व सब्जियां, डेयरी उत्पाद, दो व तीन पहिया वाहनों की मांग भी विदेशों में बढ़ी है।

गत वर्ष के मुकाबले 21032 करोड़ अधिक का निर्यात

उत्तर प्रदेश निर्यात संवर्धन परिषद के आंकड़ों के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2020-21 के सितंबर माह तक राज्य से कुल निर्यात 487497039240 रुपये था। चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 के सितंबर माह तक 697817006405 करोड़ रुपये का हो चुका है। तुलनात्मक रूप से चालू वित्तीय वर्ष में इस अवधि में 21032 करोड़ रुपये अधिक का निर्यात हो चुका है। निर्यात वृद्धि के इस ग्राफ से अनुमान लगाया जा रहा है कि वित्तीय वर्ष के अंत तक राज्य से कुल निर्यात का आंकड़ा बढ़कर 160 लाख करोड़ के करीब पहुंच जाएगा।

दूसरी छमाही में निर्यात में और तेजी आने के आसार

पिछले वित्तीय वर्ष में कोरोना के दौरान जहां देश के अधिकांश राज्यों से निर्यात का ग्राफ नीचे गया था, उत्तर प्रदेश से निर्यात में तेज वृद्धि नहीं हुई तो ग्राफ नीचे भी नहीं गया था। 1.21 लाख करोड़ रुपये मूल्य के उत्पादों का निर्यात राज्य से किया गया था। चालू वित्तीय वर्ष के पहले छमाही में ही निर्यात का आंकड़ा करीब 70 हजार करोड़ पर पहुंच गया है। निर्यात के लिए अक्तूबर से लेकर मार्च तक का समय अनुकूल माना जाता है इस लिहाज से वित्तीय वर्ष की दूसरी छमाही में निर्यात का ग्राफ तेज बढ़ना तय माना जा रहा है।

"राज्य में इंफ्रास्ट्रक्चर के बेहतर होने और नई निर्यात पालिसी के माध्यम से निर्यातकों को दी जा रही सहूलियतों से निर्यात में तेजी आई है। वित्तीय वर्ष की दूसरी छमाही में निर्यात वृद्धि में और उछाल आने के आसार हैं। अगले तीन सालों में राज्य के निर्यात को तीन लाख करोड़ तक पहुंचाने के लक्ष्य की तरफ राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।"

डा. नवनीत सहगल, अपर मुख्य सचिव एमएसएमई व निर्यात प्रोत्साहन